हिन्दी साप्ताहिक

Title Code:- UTTBIL00534

उत्तराखण्ड अभ्युदय

♦वर्ष -01 ♦ अंक-33 ♦देहरादून - रविवार 15 जून 2025 ♦पृष्ठ : 4 ♦मूल्यः 1/-

सीमांत क्षेत्रों में आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार होगा: सीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए गुप्तकाशी एवं ज्योर्तिमठ में एक्सिस बैंक की नई शाखाओं का वर्चुअल शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने गुप्तकाशी एवं ज्योर्तिमठ में एक्सिस बैंक की नई शाखाओं के शुभारंभ पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इससे सीमांत क्षेत्रों में आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार होगा। यह कदम वित्तीय समावेशन के साथ क्षेत्रीय विकास को गति प्रदान करेगा। गुप्तकाशी और ज्योर्तिमठ दोनों ही चार धाम यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। इन स्थानों पर बैंक की शाखाएं खुलने से स्थानीय लोगों के साथ श्रद्धालुओं को भी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा राज्य सरकार, प्रदेश में सभी बैंकों के आवश्यक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए हर संभव मदद करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत, विकसित भारत के संकल्प को लेकर आगे बढ़ रहा है। यह संकल्प तभी पूरा होगा, जब अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जन धन योजना, मुद्रा योजना, जैसी अनेक योजनाएं से देश के प्रत्येक नागरिक को बैंकिंग सेवा से जोड़ने का काम किया है। देश में 55 करोड़ से अधिक जनधन खाते खोले गए हैं। अब इन खातों के माध्यम से किसी भी योजना के लाभार्थियों का पैसा सीधे उनके खातों में पहुंच रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार वित्तीय ज्योर्तिमठ में भारत सरकार के सहयोग से 1700 करोड़ से भी अधिक की लागत से पुर्नावास की योजना का काम गतिमान है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व समावेशन को सशक्त करने के लिए कार्य कर रही है। वित्तीय अनुशासन बनाने में देवभूमि उत्तराखंड दूसरे स्थान पर आया है। नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्यों की सूची में हमारे प्रदेश का प्रथम स्थान आया है। राज्य सरकार का प्रयास है बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा जैसी सेवाओं हर नागरिक तक पहुंचे। राज्य सरकार ई गवर्नेंस, मोबाइल एप, डिजिटल सेवाओं को गांव गांव तक पहुंचा रही है। जिससे लोगों का जीवन आसान हो रहा है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, विधायक बंशीधार भगत, डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, श्रीमती आशा नौटियाल, एक्सिस बैंक के प्रबंधन निदेशक अमिताभ चौधरी, अपर सचिव मनमोहन मैनाली मौजूद थे।

केंद्र सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियां ऐतिहासिक

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग जनपद के प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा आज जनपद भ्रमण पर पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने भाजपा कार्यालय में जनपद स्तरीय पदाधिकारियों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया।कार्यक्रम के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार के सफल 11 वर्षों की उपलब्धियों को कार्यकर्ताओं के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का नेतृत्व 'विकसित भारत' के अमृतकाल की ओर बढ़ रहा है, जहां सेवा, सुशासन और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार केंद्र सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में पूरी तत्परता से जुटी है। उन्होंने भगवान केदारनाथ धाम में हो रहे पुनर्निर्माण कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि तीर्थ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप एक माह में रिकॉर्ड तोड़ श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए हैं।उन्होंने कहा कि 2014 से पूर्व कांग्रेस सरकार के समय भारत भ्रष्टाचार, घोटालों और तुष्टिकरण के लिए जाना जाता था, लेकिन वर्तमान में भारत विकास, नवाचार और तकनीकी प्रगति के पथ पर अग्रसर है। अब सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों को ट्रांसफर हो रहा है। यह परिवर्तन केंद्र सरकार की दूरदर्शी नीतियों का परिणाम है।उन्होंने रक्षा क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंधूर' से लेकर 'मेड इन इंडिया' तक भारत आत्मनिर्भर बन रहा है और आज "पाकिस्तान में टेस्टेड और दुनिया में ट्रस्टेड" हो चुका है।

इस मौके पर रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने जनपद में विकास को नई रफ्तार दी है। युवाओं और महिलाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिससे अनेक युवा सरकारी सेवाओं में स्थान प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार के समय को याद करते हुए कहा कि तब सिर्फ भ्रष्टाचार की चर्चा होती थी, जबकि आज भ्रष्टाचारी जेल की सलाखों के पीछे हैं। राज्य मंत्री बलबीर घुनियाल ने कहा कि भारत आज ब्रह्मोस, अग्नि, निर्भय जैसी आधुनिक मिसाइलें बना रहा है। राफेल और S–400 मिसाइल प्रणाली से देश की सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित हुई हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत पांचवीं पीढ़ी के युद्धक विमानों का भी निर्माण करेगा।

देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने कहा कि भारत की विकास दर 6.8: पहुंच चुकी है। 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का एफडीआई और 825 अरब डॉलर का ऐतिहासिक निर्यात यह दर्शाता है कि भारत वैश्विक आर्थिक शक्ति बन चुका है। एनपीए घटकर 2.6 प्रतिशत रह जाना इस बात का संकेत है कि देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

प्रशासन का लक्ष्य, हर घर तक शुद्ध पेयजल की निर्बाध आपूर्ति

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री के सुशासन एवं जनसेवा संकल्प के तहत पेयजल आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान को लेकर जिला प्रशासन सर्तक है और पूरी सक्रियता से डे–टू–डे समस्या का निदान कर जनता को राहत पहुंचाने में जुटा है। विगत 14 अप्रैल से लेकर 12 जून तक पेयजल की 133 शिकायतें मिली है, जिसमें से 129 शिकायतों का समाधान कर पानी की आपूर्ति सुचारू की गई है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर एडीएम की अध्यक्षता में जिले स्तर पर समिति गठित की गई है, जो नियमित रूप से पेयजल शिकायतों की मॉनिटरिंग कर रहे है। डीएम के निर्देश पर पेयजल सप्लाई से जुड़े 07 विभागों के अधिकारी 20 अप्रैल से 24X7 जिला कंट्रोल रूम में तैनात किए गए है और डे–टू–डे पेयजल समस्याओं का त्वरित निस्तारण जारी है। जिलाधिकारी ने सभी नागरिकों से अपील भी की है कि जल के मूल्य को समझते हुए जल संरक्षण में सहयोग करें। पानी को अनावश्यक बर्बाद न करें और न होने दें। ग्रीष्म काल में क्षेत्र में पेयजल की मांग अधिक और उपलब्धता कम होने के कारण डिमांड के अनुसार टैंकर से भी पेयजल आपूर्ति की जा रही है। जिलाधिकारी के निर्देशों पर पेयजल संकट वाले क्षेत्रों में नियमित निगरानी करते हुए ट्यूबवेल व नलकूपों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

सोमवार को जनपद तथा बुधवार को विकास खंड स्तर पर होगा जनता मिलन कार्यक्रम

संवाददाता रुद्रप्रयाग। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से जनपद, तहसील एवं विकास खंड स्तर पर जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में आगामी दो माह हेतु रोस्टर जारी कर दिया गया है। निर्धारित रोस्टर के अनुसार आगामी जुलाई व अगस्त माह के प्रत्येक सोमवार को पूर्व की भांति विकास भवन में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनता मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वहीं प्रत्येक बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में विकास खंड/तहसील स्तर पर जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि माह के द्वितीय बुधवार को राजकीय अवकाश होने की स्थिति में आगामी तिथि को जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त तहसील एवं विकास खंड स्तरीय अधिकारी उनसे संबंधित विकास खंड अथवा तहसील स्तर पर आयोजित होने वाले जनता मिलन कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना सुनिश्चित करें।

सम्पादकीय

पाइए चहुंओर खुशियां

पर्वतेषु मनोरम्येषु, सौंदर्यं दृष्ट्वा मोदते।
स्वस्थ्यं तत्र लभ्यते च, पर्यटनं सुखाय च।।
नदी: वनं च पर्वताश्च, आरोग्यं यच्छति मानव:।
तस्मात् प्रकृतिं सेवेत, जीवनं भवति उत्तम्।।

अर्थात

सुंदर पहाड़ों को देखकर मन प्रसन्न होता है। वहां स्वास्थ्य लाभ होता है, और पर्यटन आनंददायक होता है।नदी, वन और पर्वत अपने सानिध्य में आने वाले मानव को बेहतरीन स्वास्थ्य प्रदान करते हैं। इसलिए, प्रकृति की सेवा व समिप्य से जीवन श्रेष्ठ बनता है, सुखद बनता है।

देवभूमि उत्तराखण्ड का अनुपम सौंदर्य प्रकृति का अनमोल उपहार है। हरे-भरे पहाड़ न केवल शांति और सुकून प्रदान करते हैं, बल्कि मेडिको टूरिज्म और ईको टूरिज्म का सुख प्रदान करते हैं। यहां शुद्ध वायु, औषधीय वनस्पतियां, और प्राकृतिक जल स्रोत स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। यहां योग, ध्यान, और प्राकृतिक चिकित्सा जैसी गतिविधियां मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती हैं। साथ ही, ईको टूरिज्म पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय समुदायों के आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करता है।

देवभूमि उत्तराखण्ड में रोमांचित करते हिमाच्छादित पर्वत शिखर, हरहराते गिरते झरने, हरे-भरे मनमोहक मखमली बुग्यालों का अनूठा सौंदर्य और स्वास्थ्य लाभ हेतु बेहद अनुकूल मौसम,पर्यटकों को अपनी ओर बरबस आकर्षित करता रहता है । यहां आ कर हर एक आगंतुक को अपूर्व सुखद अनुभूति होती है।जीवन को नई ऊर्जा और असीम शांति मिलती है।

औषधीय गुणों से युक्त वनस्पतियां, स्वास्थ्यवर्धक जलवायु , श्रेष्ठ योग शिविरों की उपलब्धता ,विद्यमान सुखद पर्यावरणीय परिस्थितियों के दृष्टिगत देवभूमि उत्तराखण्ड में मेडिको-टूरिज्म,ईको -टूरिज्म, स्प्रिचुअल- टूरिज्म के क्षेत्र में योजनाबद्ध अभिवृद्धि की अपार संभावनाएं हैं। इनको अर्थोपाय के साधन बनाया जा सकता है। जिससे राज्य में स्थानीय स्तर पर रोजगार के साधन सृजन हो सकते हैं। राज्य के आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। हर पल देवभूमि उत्तराखंड प्रगतिशील रहे यही कामना है ध्देवभूमि उत्तराखण्ड के सर्वांगीण विकास हेतु हमारे प्रयास अहर्निश जारी रहेंगे।

जय देवभूमि उत्तराखण्ड!!जय भारत !!

डॉ.गार्गी मिश्रा

भाजपा अनमनी,कांग्रेस जिंदा

भाजपा में शिवराजसिंह अनमने है तो वसुंधरा राजे व रमनसिंह भी है। इनके साथ प्रादेशिक नेता भी अनमने माने जा सकते है। ठिक विपरित कमलनाथ, अशोक गहलोत व भूपेश बघेल के चेहरों को देख कर कोई नहीं कहेगा कि वे चुनाव में बूझे मन से है। निश्चित ही नरेंद्र मोदी और अमित शाह सतह के नीचे चुनावी जादू-मंतर बुनते-गुनते हुए होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्वास है किविधानसभा चुनावों में उनका जादू चलेगा। आखिर मोदी के मन में हिंदी प्रदेश है तो एमपी, राजस्थान और छतीसगढ़ के मन में भी मोदी! उनकीएक ऊंगली में चुनाव जीतने का सुदर्शन चक्र है और अमित शाह शाह उनके चुनावी रथ के एकलौते सारथी! तभी पार्टी का, प्रदेश नेताओं, संगठन व कार्यकर्ताओं का क्या अर्थ? सभी अनमने, बुझे मन से बस चुनाव लड़ते हुए। चुनाव लडने के मानों औपचारिक चेहरे। मध्यप्रदेश के विध नसभा क्षेत्रों में भाजपा के विजयरथ घूमने शुरू हो गए है। इन पर नारा लिखा है- मोदी के मन में बसता है एमपी और एमपी के मन में मोदी। साथ ही प्रध नमंत्री की मध्यप्रदेश के लोगों के नाम पर लिखी चि;ी भी बंट रही है। फोटो, पोस्टर सबमें नरेंद्र मोदी का चेहरा सबसे बड़ा और केंद्र में। उनके अगल-बगल में डाकटिकट जैसे आठ चेहरें। जैसे शिवराजसिंह चौहान, कैलाश विजयवर्गीय, नरेंद्रसिंह तोमर, ज्योतिरादित्य, प्रहलाद्ध पटेल आदि। उम्मीदवार दिल्ली से, नारे दिल्ली से और सारा कैंपेन दिल्ली में डिजाईन। शिवराजसिंह चौहान यों भाषण दे रहे है, घूम रहे है पर वे भी यह जतलाते हुए है कि वे भी मोदीजी के मन में शायद बसे हुए है।

जानकारों की फीडबैक के अनुसार तमाम मंत्री, पुराने नेता अपने चुनावी पोस्टरों में केवल नरेंद्र मोदी का फोटो छपवा रहे है। अधिकांश उम्मीदवार नरेंद्र मोदी के साथ अपने चेहरे चिपका कर चुनावी पोस्टर बनाए तो आश्चर्य नहीं होगा।

इसके ठिक विपरित कांग्रेस में स्थिति है। मध्यप्रदेश में हर किसी से यह फीडबैक है कि कमलनाथ व दिग्विजयसिंह की बनवाई उम्मीदवार लिस्ट भाजपा के मुकाबले ज्यादा दमदार है। भाजपा के तमाम दिग्गजों का पसीना बहेगा। कमलनाथ ने टिकटार्थियों की प्रतिस्पर्धा के बीच सबको पहले से समझाया हुआ था कि जनता के बीच लोकप्रियता की कसौटी के सर्वे अनुसार ही टिकट होगा। न टिकट ऊपर से थौपे जाएगें और न पैसे के लेन-देन में टिकट बिकेंगे। कमलना. थ ने लगातार सर्वे करवा कर, विध नसभा क्षेत्रों के दांवेदारों से पारदर्शिता रख कांग्रेस में जो व्यवस्था बनाई उसमें मेरा मानना है कि प्रदेश में कांग्रेस न केवल जिंदा है बल्कि वह चुनाव अधिक जीवतंता से लड़ते हुए है। दो प्रदेशों में यह साफ दिख रहा है कि कांग्रेस ने जो चेहरे तय किए है उससे पार्टीजनों में विश्वास बना है।भूपेश बघेल और कमलना. थ दोनों ने अपने चेहरे और वचनपत्र (याकि घोषणापत्र) के जरिए लोगों का वह भरोसा, वह विश्वास बनाया है कि वे खुद, प्रदेश संगठन और कार्यकर्ता एकजुटता से चुनाव लडने में अपने आपको झौके रहेंगे। ऐसा भाजपा में नहीं है। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छतीसगढ तीनों राज्यों में कांग्रेस के उम्मीदवारों की लिस्ट प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व की पारदर्शी, बेबाक एप्रोच से बेहतर बनती लग रही है। राजस्थान में जरूर दिक्कत है लेकिन पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी ने केंद्रीय स्तर पर जैसी कवायद कराई है वह कांग्रेस के सुधरने, बेहतर होने का संकेत है।

कोई न माने इस बात को, लेकिन मैं यह सुनकर हैरान हूं कि प्रदेश स्तर पर, भाजपा के संगठन व संघ प्रभारियों के टिकटार्थियों के साथ व्यवहार में, केंद्रीय पदाधिकारियों के नामों को ले कर दुरूपयोग से झासेबाजी, लेन-देन और अव्यवस्था क्या गजब है! मैं यह सोच हैरान हूं कि सिर्फ दस वर्षों के ही सत्ता अनुभव में भाजपा-संघ का कैसा पतन हुआ जबकि कांग्रेस आज भी जिंदा है अपने पुराने ढर्रे और लोकलाज वाले व्यवहार में। शायद तभी कांग्रेस आईसीयू के बावजूद जिंदा है और वह कार्यकर्ताओं-नेताओं की अंदरूनी खींचतान, जीवंत राजनीति, अलग-अलग दबाव गुटों, धड़ों के चौल-बैलेंस वाला वह लोकतंत्र लिए हुए है जो मनमोहन सरकार के वक्त था तो राजीव गांधी व इंदिरा गांधी के वक्त भी था।

क्या विपक्षी गठबंधन में सब ठीक है?

अजीत द्विवेदी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मध्य प्रदेश में विध नसभा की कुछ सीट नहीं देने के लिए कांग्रेस को निशाना बनाया तो कहा गया कि विपक्षी गठबंधन में फूट पड़ गई और यह टूट सकता है। उध र बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी कांग्रेस पर हमला किया तब भी यही कहा गया कि गठबंधन टूट सकता है और विपक्षी गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं है। इससे पहले वामपंथी पार्टियों ने अपने असर वाले राज्यों में तालमेल से इनकार किया तब भी विपक्षी गठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं होने की खबरें चलीं। आम आदमी पार्टी को लेकर रोज आशंका जताई जाती है कि अरविंद केजरीवाल किसी भी समय विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को गच्चा दे सकते हैं। इस तरह की घटनाएं भाजपा के गठबंधन में भी हो रही हैं। हाल ही में तमिलनाडु में अन्ना डीएमके ने भाजपा से तालमेल तोड़ लिया है। आंध्र प्रदेश में पता ही नहीं चल रहा है कि भाजपा और टीडीपी का तालमेल होगा या परदे के पीछे से भाजपा वाईएसआर कांग्रेस से तार जोड़ रहेगी। पंजाब में भी अकाली दल के साथ उसका गठबंधन नहीं हो रहा है तो बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के दोनों खेमों में घमासान चल रहा है, जिसकी पंचायत भाजपा को करनी है। हैरानी की बात है कि इसके बावजूद एनडीए के बिखरने या सब कुछ ठीक नहीं होने की खबरें नहीं आती हैं। यह भारतीय मीडिया का चरित्र है वह सत्तापक्ष की कमियां नहीं बता सकती है।

बहरहाल, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का जो विवाद अभी दिख रहा है उस आधार पर किसी नतीजे पर पहुंचने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। क्योंकि अखिलेश यादव जो कह रहे हैं या नीतीश कुमार ने बिहार में जो कहा या सीपीएम का जो स्टैंड है वह सबकी अपनी अपनी राजनीति को लेकर है। हां, यह जरूर है कि अभी 'इंडिया' में सब कुछ ठीक नहीं लग रहा है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि विपक्षी गठबंधन बिखरने जा रहा है और सभी पार्टियां मिल कर लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ सकती हैं। यह सही है कि विपक्षी गठबंधन की आखिरी बैठक ३१ अगस्त और एक सितंबर को मुंबई में हुई थी। उसके बाद से कोई बैठक नहीं हुई है। समन्वय समिति की एक बैठक १३ सितंबर को हुई थी, जिसमें भोपाल में विपक्ष की साझा रैली करने की सहमति बनी थी लेकिन वह रैली भी टल गई क्योंकि मध्य प्रदेश के अध्यक्ष कमलना. थ चुनावी सीजन में ऐसे नेताओं से दूर रहना चाहते थे, जो सनातन का विरोध कर रहे थे। समन्वय समिति में टिकट बंटवारे को लेकर भी चर्चा हुई थी और कहा जा रहा था कि ३१ अक्टूबर तक इस बारे में शुरुआती फैसला हो जाएगा। लेकिन अभी उस दिशा में भी काम आगे नहीं बढ़ा है।

इसका कारण यह है कि कांग्रेस इस समय विपक्षी गठबंधन की बैठक और सीट बंटवारे के काम में नहीं उलझाना चाहती है। इस समय पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव चल रहे हैं, जिसमें कांग्रेस का बहुत कुछ दांव पर लगा है। गठबंधन की बाकी पार्टियां इन राज्यों में नहीं हैं इसलिए उनकी चिंता आगे के चुनाव की है, जबकि कांग्रेस को इन पांच राज्यों की चिंता है। उसके सारे नेता राज्यों के उम्मीदवारों के चयन, रणनीति बनाने और प्रचार में बिजी हैं। इसलिए वे गठबंधन के बारे में नहीं सोच रहे हैं। दूसरी बात यह है कि कांग्रेस पांच राज्यों के चुनाव नतीजों से पहले विपक्षी पार्टियों के साथ सीट बंटवारे में नहीं पडना चाहती थी। कांग्रेस को लग रहा है कि पांच राज्यों में उसका प्रदर्शन बहुत अच्छा होगा और उसके बाद वह मोल. भाव करने की बेहतर स्थिति में होगी। हालांकि यह जोखिम लेने वाली बात है क्योंकि अगर पांच राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा तो उसकी मोलभाव करने की क्षमता कम भी हो सकती है और तब विपक्षी पार्टियां उस पर ज्यादा हावी हो जाएंगे। फिर भी कांग्रेस सोच समझ कर यह जोखिम ले रही है।

जहां तक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नाराजगी का सवाल है तो उसका मुख्य कारण यह है कि नीतीश ने ही विपक्षी गठबंधन बनाने की पहल की थी और पहली बैठक पटना में कराई थी। तभी से वे उम्मीद कर रहे हैं कि उनको विपक्षी गठबंधन का समन्वयक या संयोजक बनाया जा सकता है। ले. किन तीन बैठकों के बाद भी इस बारे में फैसला नहीं हुआ। इससे वे आहत हैं। तभी वे बिहार में कांग्रेस कोटे से एक और मंत्री बनाने का फैसला भी नहीं कर रहे हैं। इससे प्रदेश स्तर पर नाराजगी बढ़ रही है। यह भी कहा जा रहा है कि राजद और जदयू दोनों मिल कर कांग्रेस को कम से कम सीटें देना चाहते हैं। इसलिए कांग्रेस की ओर से भी दबाव की राजनीति हो रही है। तभी नीतीश कुमार ने बिहार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी में एक कार्यक्रम में कह दिया कि भाजपा नेताओं के साथ उनकी दोस्ती कभी खत्म नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस की मनमोहन सिंह सरकार ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के बारे में उनकी बात नहीं सुन रही थी, जबकि २०१४ में बनी सरकार ने उनकी बात सुन ली। यह कांग्रेस पर दबाव बनाने की रणनीति के तहत उन्होंने कहा क्योंकि सबको पता है कि बिहार में दो केंद्रीय विश्वविद्यालय बनाने की मंजूरी कांग्रेस सरकार के समय ही हुई थी।

अखिलेश यादव की नाराजगी का कारण भी स्थानीय है। वे उत्तर प्रदेश में प्रदेश कांग्रेस की ओर से चलाए जा रहे अभियानों से आहत हैं। राज्य में कांग्रेस पार्टी दलित गौरव यात्रा निकाल रही है तो कांग्रेस के नेता मायावती से तालमेल के बारे में बात भी कर रहे हैं।

स्मार्ट फोन के साथ मैनर्स भी हैं जरूरी

मोबाइल पर अनर्गल बात करने का शौक अगर दोस्तों और घर तक ही रहे तो अच्छा लगता है। ऑफिस मैनर्स में सेल फोन इस्तेमाल करने के कुछ तरीके हैं, आइए जानें

मोबाइल पर गेम खेलना या फिर मनपसंद गाने सुनने का शौक अगर दोस्तों और घर तक ही रहे तो अच्छा लगता है, लेकिन ऑफिस मैनर्स में सेल फोन का इस तरह से इस्तेमाल करना आपको कामचोर और बातूनी दिखाता है, साथ ही आपके इस रवैये का प्रभाव आपके सहकर्मियों के काम पर भी पड़ता है। कॉलसेंटर और मल्टीनेशनल कंपनियों में तो खासतौर से सेल फोन पर बातें करने का समय बंधा होता है। आप केवल अपने ब्रेक टाइम पर ही सेल फोन इस्तेमाल कर सकते हैं।इसके बावजूद कुछ लोग अपना काम छोड़कर घंटों फोन पर बातें करते हैं, लेकिन उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई व्यक्ति उनके बारे में क्या सोच रहा है? ऑफिस में सेल फोन इस्तेमाल करते वक्त कुछ मैनर्स का भी ध्यान रखें।

ऑफिस में लाउड वॉल्यूम रिंग टोन्स न लगाएं, इससे आपके कलीग डिस्टर्ब हो सकेत हैं। इसलिए ऑफिस में अपना सेल फोन साइलेंस मोड या वॉइस मेल पर ही रखें।

बहुत सी कंपनियों ने अपनी पॉलिसियों में सेल फोन के इस्तेमाल करने की जगह और वाल्यूम रेंज भी तय की है, जिसके तरह वहां काम करने वाले लोगों को अपना फोन इस्तेमाल करना पड़ता है।

ऑफिस के पब्लिक प्लेस पर खड़े होकर बात न करें।

कुछ लोगों में बार-बार सेल फोन बदलने की आदत होती है, और फिर उस फोन के फंक्शन ऑफिस के हर व्यक्ति को बताना और तरह-तरह की रिंग टोन सुनाना अन्य कलीग का सिर दर्द बन जाता है।

ऑफिस के कॉरिडोर में फोन पर लंबी-चौड़ी बातें न करें। मीटिंग के दौरान सेल फोन ऑफ रखें।

अपने सहकर्मी से बिना पूछे उसकी फोटो न खीचें और वीडियो फिल्म न बनाएं।

खूबसूरती में इजाफा फेस मसाज से

आमतौर पर मसाज शब्द को हम बॉडी मसाज से जोडते हैं, लेकिन फेस मसाज के अनगिनत फायदों के चलते वो भी अब ब्यूटी इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाता जा रहा है। चेहरे की मालिश ना सिर्फ स्किन के लिए फायेदमंद है, बल्कि उससे ब्लड सर्कुलेशन बढता है, जिससे पूरी बॉडी को फायदा पहुंचता है। यह आपको रिलैक्स कर देती है। सिरदर्द व साइनस जैसी परेशानियों से भी निजात दिलाती है। इसके अलावा मसाज के दौरान प्रेशर पॉइंट्स पर दबाव पडने से बॉडी के अंदरूनी अंगों की कार्यक्षमता भी बेहतर होती है, जिसमें गाल ब्लैडर और लिवर प्रमुख हैं। यहां हम फेशियल मसाज से जुडे फायदे और मसाज का सही तरीका बताने जा रहे हैं। जिससे आपकी सुन्दरता में और इजाफा कर सकती हैं और पा सकती हैं खिली-निखरी त्वचा।

आंखों के आसपास मसाज करने से बेहतर होगा कि वहां उंगलियों से हल्का-हल्का दबाव डालें।

जब भी आप मौइश्चराइजर अप्लाई करें या फेस वॉश करें, मसाज की तकनीक अपनाते हुए 2-3 मिनट तक मसाज करें। अगर दिन में दो बार नहीं कर पा रही हों, तो सुबह 5 मिनट मसाज जरूर करें।

कोशिश करें कि सुबह और शाम को आप खुद ही फेस मसाज को अपने रूटीन में शामिल कर लें।

जब तक पूरा तेल स्किन सोख ना लें, तब तक मसाज करते रहें।

मसाज के लिए तेल का यूज करना है या क्रीम व लोशन का, यह आप पर निर्भर करता है।

उसके बाद गाल, कान, होंठ और माथे पर मसाज करें।

अन्य तेल जो आप मसाज के लए यूज कर सकती हैं, वो हैं तिल का तेल, आल्मंड, ग्रेपसीड और सनफ्लोवर। हैवी ऑयल्स, जैसे-जोजाबा और औलिव औयल में थिनर मिक्स करके ही यूज करें, जैसे-नींबू का रस।

उन हिस्सों पर ज्यादा ध्यान दें, जहां कि स्किन ड्राई हो, जहां झुर्रियों जल्दी पडती हों और जहां स्ट्रेस ज्यादा महसूस होता हो, जैसे-आईब्रो के आसपास, होंठों के पास, खासकर लाफिंग लाइन्स पर

गुलाबी रंगत कहीं खो ना जाएं

सौन्दर्य ईश्वर की देन है, पर उसे बनाए रखना अपना खुद का काम है। महिलाएं प्राचीनकाल से ही अपनी खूबसूरती के प्रति जागरूक रही हैं। स्किन के अलगअलग प्रकार पर ध्यान दिया जाएं और स्किन की देखभाल निम्नलिखित प्रकार से करनी चाहिए।

नहाने के बाद स्किन में नमी बरकरार रखने के लिए, आपको मौइश्चराइजर का प्रयोग करने की आवश्यकता होती है। अतिरिक्त सुरक्षा के लिए एक ?से मौइश्चराइजर का चुनाव करें, जो जोजोबा शिया बटर या कोकोआ औयल से युक्त हो।

अपने होंठों को चाटें नहीं, क्योंकि इससे आपके होंठ खुरदरे हो जाते हैं। लिप बाम का उपयोग नियमित रूप से करें। अपने होंठों पर एसपीएफ लिप बाम या पैट्रोलियम जैली का उपयोग करें।

कम चीनी और नमक वाला खाना लें। ताजा सब्जियां और फल खाएं।

औलिय स्किन है तो विटामिन बी5 सीरम का उपयोग कर सकती हैं, क्योंकि यह बहुत नमी प्रदान करने वाला होता है।

इस मौसम में एडियों में आसानी से दरारें आ जाती हैं। इस अवस्था से बचने के लिए हर रात फुट क्रीम या पैट्रोलियम जैली का यूज करें और पैरों में जुराबें पहन कर उन्हें गरम रखें।

अपने हाथों को सुरक्षित रखने के लिए बर्तन धोते या घर को साफ करते समय दस्ताने पहनें। सुबह और रात में विटामिन ई युक्त औयल का प्रयोग करें। रात में अपने हाथों पर विटामिन ए और डी युक्त क्रीम का गाढा लेप लगा सकती हैं, क्योंकि सोते समय यह आपकी स्किन पर सुरक्षात्मक सतह का निमार्ण करती है।.

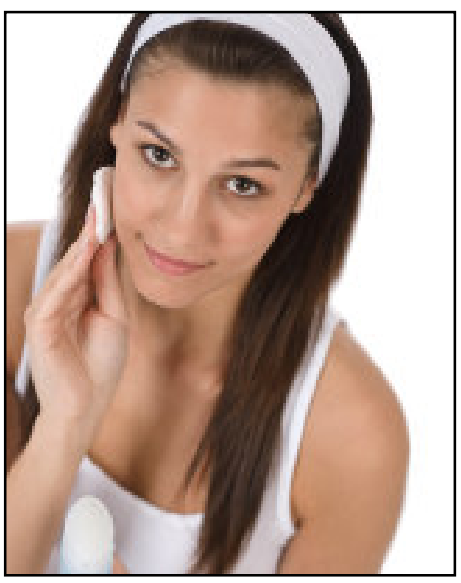

गर्मियों के मौसम में कैसे रखें अपना ख्याल

०जहां तक संभव हो सके, ताजे भोजन को ही तरजीह दें। ज्ञात रहे इस मौसम में सब्जी, दालें जल्दी खराब हो जाती हैं। अत: ठंडा एवं बासी भोजन आपका स्वास्थ्य खराब कर सकता है।

* मौसमी फलों का सेवन अत्यधिक करें। गर्मी में आम, खरबूजा, तरबूज, संतरा, मौसंबी, अंगूर एवं ककड़ी बहुतायत में मिलती हैं। इनसे आपको गर्मी से सुकून तो मिलेगा ही आपको तरोताजा बनाए रखने में भी ये मददगार साबित होंगे।

* ज्यादा मात्रा में चाय या कॉफी को महत्व न देते हुए नींबू की मीठी शिकंजी, कच्चे आम का पना, मट्ठा (छाछ), गन्ने के रस को प्राथमिकता दें। इससे आपको ऊर्जा तो मिलेगी ही आप शीतलता का अहसास भी करेंगे।

* कैरी पने के सेवन से लू से भी बचा जा सकता है। याद रहे, फ्रीज के ठंडे पानी के बजाए मटके का ठंडा पानी ही पिएं।

* कम से कम दिन में 5-6 बार ठंडे पानी से अपने चेहरे पर छींटें मारें। इससे आपकी आंखें स्वस्थ रहेंगी।

डीएम ने ली स्प्रिंग एण्ड रीवर रिजुविनेशन अथारिटी(सारा) की बैठक

चमोली। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने बुधवार को स्प्रिंग एण्ड रीवर रिजुविनेशन अथारिटी(सारा) की बैठक ली। बैठक में सारा के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यो की प्रगति समीक्षा, आगामी वित्तीय वर्ष के प्रस्तावों व 01 करोड़ से उपर की तीन योजनाएं मोथूगाड, आटागाड व चन्द्रभागा गदेरे के डीपीआर गठन को लेकर चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने क्रिटीकल जल स्त्रोतों, नदियों, जलाशयों के जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने बद्रीनाथ व केदारनाथ वन प्रभाग को सारा के निर्धारित फॉर्मेट में

डीपीआर तैयार करने के साथ ही अपने स्तर से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर प्रस्ताव देने के निर्देश दिए कहा कि अच्छे प्रस्तावों को लेकर बजट कोई कमी नहीं होगी। साथ ही सिंचाई विभाग को सारा में प्रस्तावित चंद्रभागा गदेरे, सिंवाई की डीपीआर तैयार करते हुए शासन को भेजने और सूगी गदेरे की डीपीआर की क्वेरी को रिजॉल्व करते हुए आज ही शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए। वहीं बैठक में गलत सूचना देने पर जल निगम के सहायक अभियन्ता को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।सारा के नोडल अरविन्द नेगी ने बताया कि सारा के अन्तर्गत जल संवर्धन एवं संरक्षण के लिए चाल खाल, खन्तियों, चेकडैम का निर्माण एवं वृक्षारोपण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद में 87 क्रिटीकल स्त्रोत चिन्हित किए गए हैं और वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए सारा में बद्रीनाथ डिवीजन ने 05 व केदारनाथ ने 04 व सिंचाई विभाग 03 ने प्रस्ताव दिए हैं।

इस दौरान जिला विकास अधिकारी केके पन्त, परियोजना निदेशक आनंद सिंह अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे

श्रीनगर में भाजपा का जिलास्तरीय प्रबुद्धजन सम्मेलन 12 जून को

श्रीनगर गढ़वाल। भारतीय जनता पार्टी के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 12 जून को नगर क्षेत्र में जिलास्तरीय प्रबुद्धजन सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सम्मेलन के माध्यम से केंद्र सरकार की उपलब्धियों और विकसित भारत की दिशा में किए गए कार्यों को समाज के प्रबुद्धजनों तक पहुंचाया जाएगा। भाजपा पौड़ी जिलाध्यक्ष कमल किशोर रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा कार्यक्रम का जिला संयोजक गणेश भट्ट को नियुक्त किया गया है। सम्मेलन में भाजपा के वरिष्ठ प्रदेश नेता ज्योति प्रसाद गैरोला, उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत तथा राज्य मंत्री रमेश गड़िया बतौर मुख्य वक्ता शामिल होंगे। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए मंगलवार को श्रीनगर मंडल कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

रुद्रपुर में संदिग्ध हालात में फंदे पर लटकी मिली युवती

रुद्रपुर(। थाना ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में किराए पर मां के साथ रह रही युवती संदिग्ध हालात में फांसी के फंदे पर लटकी मिली। घटना के बाद परिजन पुलिस को सूचना दिए बिना शव को अपने घर दिनेशपुर लेकर चले गए। वहीं सूचना पर पुलिस उनके पास गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस के मुताबिक, जगदीशपुर दिनेशपुर निवासी 22 वर्षीय खुशबू सरकार पुत्री विनय सरकार यहां ट्रांजिट कैंप की राजा कॉलोनी में मां के साथ रहकर बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती थी। मंगलवार शाम पुलिस को सूचना मिली कि एक युवती कमरे में संदिग्ध हालात में फांसी के फंदे पर लटकी मिली थी।परिजन शव को लेकर अपने घर दिनेशपुर चले गए हैं। इस पर पुलिस वहां पहुंची और शव को कब्जे में लिया। परिजनों ने बताया कि खुशबू ने कमरे को अंदर से बंद कर गले में चुन्नी का फंदा बनाकर फांसी लगाई थी।

आक्रोशित ग्रामीणों ने मयाली में चार घंटे जाम लगाया

रुद्रप्रयाग। जखोली मुख्यालय के आसपास के गांवों में दो माह के भीतर तीन महिलाओं को आदमखोर गुलदार द्वारा शिकार बनाए जाने को लेकर क्षेत्रीय लोगों में जबरदस्त आक्रोश है। बुधवार को आक्रोशित ग्रामीणों ने घनसाली-तिलवाड़ा मोटर मार्ग पर मयाली बाजार में चक्का जाम कर दिया। जबकि रुद्रप्रयाग की डीएफओ का भी घेराव किया। करीब चार घंटे जाम के बाद वन विभाग द्वारा ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे वन कर्मी तैनात करने की मांग पर ग्रामीणों ने जाम खोला। बुधवार सुबह 9 बजे ग्रामीणों ने घनसाली-तिलवाड़ा मोटर मार्ग को जाम कर दिया। जबकि ममणी-जखोली वैकल्पिक मोटर मार्ग को भी रैंज कार्यालय जाखणी के समीप चक्काजाम लगा दिया। इससे केदारनाथ जाने वाले तीर्थयात्रियों सहित अन्य राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। विरोध में व्यापारियों ने मयाली बाजार भी बंद किया। इस दौरान घटनास्थल की ओर जाती रुद्रप्रयाग डीएफओ कल्याणी का भी आक्रोशित भीड़ ने घेराव किया। जबकि शासन-प्रशासन, वन विभाग और जनप्रतिनिधियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। हालांकि बाद में लोगों के साथ लिखित आश्वासन के बाद दोपहर 1 बजे ग्रामीणों ने जाम खोला। निर्वतमान ब्लाक प्रमुख जखोली प्रदीप थपलियाल के नेतृत्व में मयाली बाजार में ग्रामीणों ने चक्काजाम के साथ ही वन विभाग व स्थानीय विधायक के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन व नारेबाजी की गई। मयाली बाजार में बड़ी संख्या में एकत्रित लोग पहले पीड़ित परिजनों से मिले और उसके बाद आक्रोशित भीड़ ने मयाली बाजार में प्रदर्शन किया। इस दौरान सड़क पर जाम लगने से गंगोत्री से केदारनाथ जाने वाले तीर्थयात्रियों की सड़क पर भारी संख्या में वाहनों का जमावड़ा लग गया। बाद में प्रशासन ने यात्रियों के वाहनों को ममणी जखोली मोटर मार्ग से सांकला होते हुए गुप्तकाशी मोटर मार्ग के लिए भेजा, किंतु आक्रोशित ग्रामीणों को भनक लगते ही मयाली गुप्तकाशी मोटर मार्ग को भी रैंज कार्यालय जाखणी चौकी के समीप चक्काजाम शुरू कर दिया गया, जिससे केदारनाथ जाने वाले तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ सड़क पर जमा हो गई और यातायात व्यवस्था चार घंटे तक पूर्ण रूप से बंद रही। आक्रोशित ग्रामीणों का कहना था कि क्षेत्र में आदमखोर गुलदार द्वारा बीते दस दिनों में दो महिलाओं को मार डालने के बावजूद वन विभाग व सरकार ने क्षेत्र में आदमखोर गुलदार को नरभक्षी गुलदार घोषित नहीं किया है। गुलदार निर्दोष लोगों की जान लेने में कामयाब रहा है। ग्रामीणों ने कहा है कि वन विभाग झूठ बोल कर लोगों को गुमराह कर रहा है। ब्लाक प्रमुख प्रदीप थपलियाल ने कहा है कि यदि वन विभाग ने गुलदार को नरभक्षी घोषित कर शूट किया है तो उसका लिखित आदेश व जिस शूटर ने गूलदार को शूट किया है उसका नाम व गुलदार की पोस्टमार्टम रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। बता दें कि हो मंगलवार सायं मयाली के आश्रम तोक में गुलदार ने 65 वर्षीय रामेश्वरी देवी पत्नी कैलाश चंद्र बुटोला को मार डाला था, जिससे बुधवार को आक्रोशित क्षेत्रीय जनता निर्वतमान ब्लाक प्रमुख जखोली प्रदीप थपलियाल के नेतृत्व में मयाली बाजार में प्रदर्शन किया और चार घंटे तक तिलवाड़ा-घनसाली मोटर मार्ग को जाम कर दिया।

सड़क पर पलटी यात्री बस, चार यात्री हुये घायल

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी से केदारनाथ जा रही एक यात्री बस दोपहर में टिहरी से दो किमी आगे पिपलडाली के पास अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। जिसमें चार यात्री घायल हो गये। जिन्हें इलाज के लिए पीएचसी नंदगांव ले जाया गया। सूचना पर पुलिस व एसडीआरएफ तत्काल मौके पर पहुंची। बस में 33 यात्री सवार थे, जिनमें से अधिकांश यात्री गुजरात के बताए जा रहे हैं। पुलिस की मीडिया सेल से प्राप्त जानकारी के अनुसार टिपरी से आगे एक मोड़ पर ब्रेक न लगने के कारण एक यात्री बस सड़क पर पलट गई। सड़क पर बस पलटने से इसमें सवार यात्रियों में कनकू बेन नायक उम्र 48 वर्ष पत्नी सतीश नायक ग्राम सरखेज जिला अहमदाबाद गुजरात, सतीश ए पंड्या 67 वर्ष निवासी ग्राम सरखेज जिला अहमदाबाद गुजरात , चंद्रिका बेन 56 वर्ष पत्नी मनोज भाई पंड्या उम्र 56 वर्ष निवासी राजकोट गुजरात व लीला शंकर 29 वर्ष पुत्र हकरा जी निवासी घंकरा जिला सलेमपुर उदयपुर राजस्थान को हल्की व मामूली चोटें आई। इनके अलावा भी कुछ अन्य यात्री भी मामूली चोटिल हुये हैं। प्राथमिक इलाज पीएचसी नंदगांव में किया गया।

कार्यशाला में उद्यमियों को किया गया प्रोत्साहित

नई टिहरी। मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के तत्वाधान में ब्लॉक सभागार कंडीसौड़ थौलधार में ग्रामीण क्षेत्र के उद्यमियों के

लिए ब्लॉक स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें उद्यमियों को प्रोत्साहित करते हुए लखपति दीदी योजना को तेजी से आगे बढ़ाने पर मंथन किया गया। कार्यशाला में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं अन्य रेखीय विभागों के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में स्वयं सहायता समूहों, ग्राम संगठन, लखपति दीदी और स्वरोजगार से जुड़े उद्यमियों ने भागीदारी कर अपनी समस्याओं को रखा। उद्यमिता के मूल सिद्धांत एवं आजीविका से उसका अंतर, पंजीकरण प्रक्रियाएं, ब्रांड को विकसित करने का कौशल, उद्यमिता जागरूकता एवं सशक्तिकरण, सरकारी योजनाओं की जानकारी, विपणन के अवसर एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स की जानकारी कार्यशाला में प्रदान की गई। बीडीओ थौलधार स्नेह नेगी ने ग्रामीणों को उद्यमिता की ओर अग्रसर होने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना टीम स्पोक टिहरी गढ़वाल के इंक्यूवेशन मैनेजर दिग्विजय सिंह एवं बिजनेस प्लानिंग डेवेलपमेंट एक्सपर्ट अनुभव थापा ने प्रतिभागियों को विभिन्न उद्यमिता विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक **गार्गी मिश्रा** द्वारा इंटर ग्राफिक आफॅसेट प्रिंटर्स 64 नेशविला रोड़ देहरादून, उत्तराखंड से मुद्रित, 98, 2-फ्लोर, सनशाइन अपार्टमेन्ट, नागल हटनाला, कुल्हान, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून - 248001 से प्रकाशित।

सम्पादकः
गार्गी मिश्रा
8765441328

समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन होंगे।